कानपुर, मंगलवार, 20 जनवरी, 2026 प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
वर्षः 03, अंकः 22, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड अमेरिका-ईरान आमने-सामने...>Pg12
कुशाग्र हत्याकांडः 22 जनवरी को सजा का ऐलान...> Pg03

मूल्यः 2 ₹

सहारनपुरः एक ही घर में 5 लाशें हत्या या खुदकुशी में उलझी पुलिस

सरसावा में खून से सना मकान, तीन तमंचों के बीच मृत मिले पति-पत्नी, मां और दो बच्चे

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया, जिसने पूरे शहर को दहला दिया। सरसावा थाना क्षेत्र के एक घर से गोलियों की गूंज नहीं, बल्कि मौत का सन्नाटा निकला जहां एक ही परिवार के पांच लोगों के शव पड़े मिले। खून से सना घर, बिखरे सबूत और पास पड़े तमंचों ने इस वारदात को रहस्य और सनसनी में बदल दिया है।

मृतकों में अमीन, उसकी पत्नी, उसकी बुजुर्ग मां और उसके दो नाबालिग बेटे शामिल हैं। घर के भीतर का दृश्य दिल को झकझोर देने वाला था। पति-पत्नी के शव फर्श पर पड़े थे, जबकि मां और दोनों मासूम बच्चों के शव बेड पर मिले। कमरे के पास तीन तमंचों की बरामदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अमीन के सीने में गोली लगी थी, जबकि दोनों बच्चों के माथे पर गोली के निशान मिले हैं। मां और पत्नी की भी गोली लगने से मौत हुई है। एक ही घर में, एक ही हथियार से या कई हथियारों से हुई मौत, इस सवाल ने पुलिस को भी असमंजस में डाल दिया है।

सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, फोरेंसिक टीम और प्रशासन मौके पर पहुंचा। मकान को सील कर दिया गया है और इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। पड़ोसियों से पूछताछ जारी है, लेकिन कोई भी इस खौफनाक सच्चाई को समझ नहीं पा रहा है कि आखिर इस घर में मौत का तांडव क्यों और कैसे हुआ।

यह सामूहिक हत्या है या फिर पारिवारिक तनाव ने किसी को हैवान बना दिया या फिर यह आत्महत्या की ऐसी कहानी है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया? पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट ही इस खौफनाक राज से पर्दा उठा पाएगी। फिलहाल सरसावा और आसपास के इलाकों में डर और सन्नाटा है। हर जुबान पर एक ही सवाल आखिर एक ही घर में एक ही परिवार की पांच जिंदगियां कैसे खत्म हो गईं?

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को Z कैटेगरी की सुरक्षा

सीआरपीएफ के विशेष प्रशिक्षित कमांडो संभालेंगे सुरक्षा की कमान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें Z श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। यह सुरक्षा कुछ दिन पहले ही स्वीकृत की गई थी, जिसे अब औपचारिक रूप से लागू करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के विशेष प्रशिक्षित कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात कर दिए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए गए हालिया थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद नितिन नबीन की राजनीतिक सक्रियता और देशभर में बढ़ते कार्यक्रमों को देखते हुए सुरक्षा स्तर को उच्चतम श्रेणी में रखा गया है।

Z कैटेगरी सुरक्षा के तहत नितिन नबीन के साथ हर समय सशस्त्र कमांडो मौजूद रहेंगे। इसमें निजी सुरक्षा अधिकारी, एस्कॉर्ट वाहन, निवास स्थल की कड़ी निगरानी, और यात्रा मार्गों की पूर्व जांच शामिल है। सूत्र बताते हैं कि आने वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की

नियमित समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर इसमें और बदलाव भी संभव हैं। फिलहाल सीआरपीएफ की Z श्रेणी सुरक्षा के साथ नितिन नबीन की सुरक्षा को पूर्ण रूप से चाक-चौबंद कर दिया गया है।

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य पद पर विवाद, अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस

- रथ रोकने के विरोध और धरने के बाद कार्रवाई, शिविर के गेट पर चस्पा किया गया नोटिस
- शंकराचार्य बोले प्रशासन नहीं तय करेगा हमारी पदवी, माफी तक आश्रम में प्रवेश नहीं

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में रथ रोके जाने के विरोध में धरने पर बैठे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मेला प्रशासन ने नोटिस जारी कर दिया है। माघ मेला प्राधिकरण ने उनसे 24 घंटे के भीतर यह स्पष्ट करने को कहा है कि वे किस आधार पर खुद को "ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य" बता रहे हैं। यह नोटिस मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है।

सोमवार देर रात करीब 12 बजे कानूनगो अनिल कुमार माघ मेला क्षेत्र में स्थित शंकराचार्य के शिविर पहुंचे और शिष्यों से नोटिस रिसीव करने को कहा। शिष्यों ने देर रात का हवाला देते हुए नोटिस लेने से इनकार कर दिया और सुबह आने को कहा। इसके बाद मंगलवार सुबह कानूनगो दोबारा शिविर पहुंचे और गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया।

दरअसल, ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य पद को लेकर अविमुक्तेश्वरानंद और वासुदेवानंद के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इसी विवाद को आधार बनाकर माघ मेला प्रशासन ने यह नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 अक्टूबर 2022 को आदेश दिया था कि मामले के अंतिम निस्तारण तक किसी को भी शंकराचार्य घोषित नहीं किया जाएगा और न ही किसी का पट्टाभिषेक होगा। कोर्ट के अनुसार इस पद पर किसी को बैठने पर रोक है और अब तक इस संबंध में कोई नया आदेश जारी नहीं हुआ है। इसके बावजूद माघ मेले में अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने शिविर में लगे बोर्ड पर खुद को "ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य" लिखवाया है, जो अदालत के आदेश की अवहेलना है। इसी पर 24 घंटे में जवाब मांगा गया है। इससे पहले सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़ा एतराज जताया था। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य वही होता है जिसे अन्य पीठों के शंकराचार्य स्वीकार करें। दो पीठ हमें शंकराचार्य मानती हैं और पिछले माघ मेले में हमारे साथ स्नान भी कर चुकी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन या यहां तक कि देश के राष्ट्रपति को भी यह तय करने का अधिकार है कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय केवल शंकराचार्य ही करेगा।

कर्मचारियों में उबाल जारी, नगर आयुक्त ने मांगा एक सप्ताह का समय

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हितों पर हमला तो आंदोलन होगा तेज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति नगर निगम जलकल कानपुर के तत्वाधान में नगर निगम परिसर में विशाल आमसभा का आयोजन किया गया। आमसभा का मुख्य मुद्दा नगर निगम का सफाई कार्य सहित समस्त कार्य एक ही कंपनी को सौंपे जाने का प्रस्ताव रहा, जिसे कर्मचारियों ने अपने अधिकारों और रोज़गार पर सीधा हमला बताया।

आमसभा में हजारों की संख्या में कर्मचारियों की मौजूदगी ने नगर निगम प्रशासन की चिंता बढ़ा दी। कर्मचारियों की एकजुटता और आक्रोश को देखते हुए नगर आयुक्त ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया, लेकिन कर्मचारियों के अनुसार यह वार्ता पूरी तरह असफल रही। नगर आयुक्त द्वारा एक

» नगर निगम में सफाई कार्य सहित समस्त कार्य एक ही कंपनी को सौंपे जाने का भारी विरोध

सप्ताह का समय मांगे जाने पर कर्मचारी नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि अब केवल आश्वासन नहीं, ठोस निर्णय चाहिए।

कर्मचारी नेताओं ने घोषणा की कि यदि 27 जनवरी 2026 तक उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो उसी दिन पुनः आमसभा बुलाकर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। आंदोलन के तहत प्रदर्शन, कार्यबहिष्कार और आम कार्यबंदी जैसे कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। कर्मचारियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

सभा की अध्यक्षता और संचालन किशन लाल

कानपुर सिटी
स्वराज इंडिया
निजीकरण के विरोध में नगर निगम में व्यापक कार्य बहिष्कार

सुदर्शन ने किया। सभा को रमाकांत मिश्रा, हरिओम वाल्मीकि, जयपाल सिंह, कमरुद्दीन, अजीत बाघमार, उस्मान अली शाह, मुकेश वाल्मीकि, सीएल बघेल और रामप्रकाश भारती, विनोद कुमार, अजीत बाघमार ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि निजीकरण की नीति से कर्मचारियों का भविष्य अंधकार में जा रहा है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नगर निगम कानपुर में लंबे अरसे बाद यह आंदोलन कर्मचारियों की एकता और संघर्ष का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। नगर आयुक्त से बातचीत के बाद भी कोई सकारात्मक निर्णय न निकलने से कर्मचारियों में भारी रोष है। अब सभी की निगाहें 27 जनवरी पर टिकी हैं, जब यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है।

सात वर्षों से जारी कॉफी वितरण की सेवा बनी मिसाल

शिवाजी नगर में भीषण ठंड के बीच कॉफी वितरण किया गया

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। भीषण शीतलहर को देखते हुए जेके मंदिर के सामने शिवाजी नगर में कॉफी वितरण का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सामाजिक पहल पिछले सात वर्षों से लगातार की जा रही है, हालांकि शिवाजी नगर में पहली बार इस तरह का आयोजन हुआ। ठंड से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में राहगीरों और जरूरतमंदों ने गर्म कॉफी का लाभ लिया।

यह कार्यक्रम हरिओम इंटीरियर एंड एक्सटीरियर की ओर से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर आयोजित किया जाता रहा है। आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त कमलावती सिंह, विधायक श्री अरुण पाठक, सुनील साहू (क्षेत्रीय अध्यक्ष, कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र), राकेश सोनकर (पूर्व विधायक) तथा श्री कृष्ण दीक्षित बड़े जी (प्रदेश संयोजक, नमामि गंगे) विशेष रूप से उपस्थित रहे।अतिथियों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड में इस तरह के सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजकों को निरंतर ऐसे कार्यक्रम करते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं।

हरिओम इंटीरियर एंड एक्सटीरियर के को-फाउंडर विवेक तिवारी ने बताया कि सर्दियों के मौसम में हर साल जरूरतमंदों के लिए गर्म चाय या कॉफी का वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी यह सेवा अभियान और व्यापक स्तर पर जारी रहेगा।

स्थानीय नागरिकों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

एमजीए कॉलेज में दिल्ली पुलिस परीक्षा में भारी अव्यवस्था

घंटों देरी के बाद छात्रों ने किया जमकर हंगामा

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर के एमजीए कॉलेज में दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर समय पर शुरू न होने से नाराज छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है।

कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर स्थित एमजीए कॉलेज में मंगलवार को दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब सुबह की पाली का पेपर समय पर शुरू नहीं हो सका। दूर-दराज से आए सैकड़ों अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के बाहर और भीतर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सुबह की शिफ्ट का समय शुरू होने के काफी देर बाद भी कंप्यूटर स्क्रीन पर पेपर डिस्प्ले नहीं हुआ। केंद्र व्यवस्थापकों ने इसे तकनीकी खामी और सर्वर की समस्या बताया, लेकिन घंटों इंतजार करने के बाद अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। छात्र मेन गेट को तोड़कर अंदर घुस गए और सर्वर रूम तोड़ डाला।

छात्रों का आरोप है कि अंदर परीक्षा चल रही है। हंगामे की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

पुलिस अधिकारी छात्रों को शांत कराने और केंद्र व्यवस्थापकों से बात कर समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

फिलहाल, परीक्षा केंद्र पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और सुबह की पाली की परीक्षा अभी तक शुरू नहीं हो पाई है।

कुशाग्र किडनैपिंग-मर्डर केस में तीनों आरोपी दोषी, 22 जनवरी को सजा का ऐलान

ट्यूशन टीचर, प्रेमी और दोस्त ने रची थी साजिश, कोर्ट ने सबूतों को माना पुख्ता

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के बहुचर्चित कुशाग्र किडनैपिंग और मर्डर केस में मंगलवार को अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया। एडीजे-11 सुभाष सिंह की अदालत ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन गुप्ता उर्फ शिवा को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने सजा पर फैसला सुरक्षित रखते हुए 22 जनवरी की तारीख तय की है।

अदालत में दोषी करार दिए जाने की खबर सुनते ही कुशाग्र की मां सोनिया कनोडिया भावुक हो गईं। बेटे को याद कर फूट-फूटकर रोते हुए उन्होंने कहा कि उनके बेटे के हत्यारों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। 26 महीने पहले जन्मदिन के दिन रची गई इस खौफनाक साजिश ने पूरे शहर को झकझोर दिया था।

अभियोजन के मुताबिक, आचार्य नगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का बेटा कुशाग्र 30 अक्टूबर की शाम स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता के प्रेमी प्रभात शुक्ला ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले लिया। इसके

फैसला सुनते ही टूटी मां, बोली बेटे के हत्यारों को फांसी मिले

बाद उसे ओमनगर स्थित इंद्रकुटी हाता में प्रभात के घर ले जाया गया, जहां रचिता पहले से मौजूद थी। वहीं स्टोरनुमा कमरे में गला घोंटकर कुशाग्र की हत्या कर दी गई। घटना के वक्त प्रभात का दोस्त आर्यन बाहर निगरानी कर रहा था। हत्या के बाद तीनों ने अपहरण का नाटक रचते हुए 30 लाख रुपये की फिरौती का पत्र लिखा और उसे कुशाग्र के घर फेंका। मामले को सांप्रदायिक रंग देने के लिए पत्र में ÷अल्लाह हू अकबर÷ भी लिखा गया। हालांकि गार्ड की सतर्कता से साजिश का भंडाफोड़ हो गया और पुलिस ने कुशाग्र का शव प्रभात के घर के बाहर बने कमरे से बरामद कर लिया।

एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि ट्रायल के दौरान अभियोजन ने 14 गवाह पेश किए। सीसीटीवी फुटेज, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, पंचायतनामा और अन्य ठोस साक्ष्यों के आधार पर तीनों की मिलीभगत साबित हुई। पुलिस ने पहले ही तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और बाद में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की गई थी।

कुशाग्र केस के अहम पहलू

- जन्मदिन के दिन बनाई गई थी अपहरण और फिरौती की साजिश
- ट्यूशन टीचर रचिता और प्रेमी प्रभात बनना चाहते थे अमीर
- 30 लाख की फिरौती मांगने के लिए फर्जी अपहरण पत्र लिखा गया
- साजिश छिपाने को पत्र में धार्मिक नारा लिखा गया
- शव प्रभात के घर के बाहर बने कमरे से बरामद
- 14 गवाहों, सीसीटीवी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से केस साबित
- तीनों आरोपी दोषी, 22 जनवरी को सजा पर फैसला

सरिया चोरी का खुलासा, 30 कुंतल माल संग तीन शातिर गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कल्याणपुर थाना पुलिस और पश्चिम जोन की सर्विलांस/स्वाट टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पनकी रोड स्थित एक सरिया की दुकान में हुई बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया करीब 30 कुंतल सरिया भी बरामद कर लिया गया है।

मामला बीती 11 जनवरी का है, जब स्वरूप नगर निवासी मनोज कुमार जैन ने थाना कल्याणपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि पनकी रोड स्थित उनकी सरिया की दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर आधे

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी व सर्विलांस से सुलझा ब्लाइंड केस

से अधिक सरिया चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 16/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) व 331(4) के तहत जांच शुरू की। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देश पर गठित टीम ने इस ब्लाइंड केस को सुलझाने के लिए "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के तहत इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की। डिजिटल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के सटीक समन्वय से पुलिस संदिग्धों तक पहुंचने में सफल रही। इसके बाद 19 जनवरी 2025 को घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में आयुष शुक्ला को पुलिस ने शातिर अपराधी बताया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आयुष के खिलाफ पहले से पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और आईटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वर्तमान मामले में उस पर चोरी और चोरी का माल छिपाने से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अन्य आरोपियों की पहचान अखिलेश कुमार गुप्ता निवासी विसायकपुर, रनिया, कानपुर देहात और रवि गुप्ता निवासी विसायकपुर, रनिया, कानपुर देहात के रूप में हुई है। वहीं आयुष शुक्ला पनकी रोड, कल्याणपुर, कानपुर नगर का निवासी है।

वंदे भारत में चढ़ने के चक्कर में जिंदगी खत्म होने से बची

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश के दौरान एक यात्री के साथ बड़ा हादसा होते-होते टल गया। नई दिल्ली से वाराणसी जा रहे यात्री नितिन चंदना चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में फिसलकर प्लेटफॉर्म और ट्रैक के बीच गिर गए। गनीमत रही कि मौके पर तैनात आरपीएफ जवानों की सतर्कता से उनकी जान बच गई।

जानकारी के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस जब कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंची, तो सी-8 कोच में सवार नितिन चंदना कुछ सामान लेने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतर गए। इसी दौरान ट्रेन चल पड़ी और कोच के ऑटोमेटिक दरवाजे बंद हो गए। ट्रेन छूटती देख यात्री ने चलती गाड़ी में चढ़ने की कोशिश की।आरपीएफ सिपाहियों ने यात्री को ट्रेन से दूर रहने की चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं माने। ट्रेन के अंतिम छोर पर गार्ड बोगी का दरवाजा खुला देख उन्होंने वहीं से चढ़ने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह फिसलकर ट्रैक और प्लेटफॉर्म के बीच जा गिरे। आरपीएफ हेड कांस्टेबल रवि प्रताप राय और अन्य जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और यात्री को सुरक्षित ट्रैक से बाहर निकालकर प्लेटफॉर्म पर ले आए। यात्री को कोई गंभीर चोट नहीं आई। कानपुर सेंट्रल आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि जवानों की तत्परता और सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

आरपीएफ की तत्परता से बची जान, यात्री को सुरक्षित निकाला गया

लक्ष्मी पुरवा में नाला क्षतिग्रस्त होने से जलभराव, बीमारी का खतरा

» नालों की समय से सफाई न होने, क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत न होने और कूड़ा उठान में लापरवाही के चलते नागरिकों को रोजमर्रा की परेशानियों से जूझना पड़ रहा

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर नगर निगम जोन 1 के अंतर्गत आने वाले कई वार्डों में सफाई व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। वार्ड 1 लक्ष्मी पुरवा क्षेत्र के अंतर्गत 85/121 में इंजीनियरिंग विभाग का नाला क्षतिग्रस्त होने के कारण पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। नाले का पानी सड़कों पर फैलने से स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि जलभराव के कारण गंदगी फैल रही है, जिससे मच्छर पनप रहे हैं और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बीते 4 माह से इस समस्या को लेकर संबंधित विभागों में फाइल चलाई जा रही है, लेकिन फाइल बार-बार नगर आयुक्त स्तर से वापस हो जा रही है। प्रशासनिक प्रक्रिया में हो रही इस देरी के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है और अब लोगों का सब्र जवाब देने लगा है।

केवल लक्ष्मी पुरवा ही नहीं, बल्कि जोन 1 के कई अन्य वार्डों में भी सफाई व्यवस्था बदहाल है। नालों की समय से

नाला निर्माण को लेकर लेटर नगर आयुक्त को दे कर अवगत करा दिया गया है फाइल बन चुकी है फाइल सेंशन होने के बाद बहुत जल्दी कार्य होगा
पार्षद विकास साहू

सफाई न होने, क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत न होने और कूड़ा उठान में लापरवाही के चलते नागरिकों को

रोजमर्रा की परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त नाले की तत्काल मरम्मत कराई जाए, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था की जाए और सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और बीमारियों के फैलाव पर रोक लगाई जा सके।अब देखना यह होगा कि नगर निगम प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेकर ठोस कार्रवाई करता है, या फिर क्षेत्रवासी यूं ही जलभराव और गंदगी के बीच जीवन जीने को मजबूर रहेंगे।

शिक्षा, संस्कार और सेवा के मूल्यों को अपनाने का संकल्प

पंडित बृज नारायण द्विवेदी प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा और संस्कार का संदेश

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। श्री लालमणि इंटर कॉलेज, रेवना के संस्थापक पंडित बृज नारायण द्विवेदी की पुण्यतिथि पर प्रतिभा सम्मान एवं स्मृति समारोह का आयोजन बृज वाटिका गेस्ट हाउस, रेवना में किया गया। समारोह में शिक्षा, संस्कार और सेवा के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि पंडित बृज नारायण द्विवेदी ने लगभग 46 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहते हुए तथा जिला पंचायत सदस्य के रूप में क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीण शिक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्होंने श्री लालमणि इंटर कॉलेज की स्थापना की, जिससे हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिला।

मुख्य अतिथि विधायक घाटमपुर सरोज कुरील ने कहा कि उनका जीवन जनसेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने उनके योगदान को ग्रामीण शिक्षा की मजबूत नींव बताया। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। संचालन प्रधानाचार्य अनिल पाल एवं सहयोगी शिक्षकों ने किया। समारोह में आयोजक- ध्रुव नारायण द्विवेदी, अतुल नारायण द्विवेदी, अजय कुमार द्विवेदी व आदित्य कुमार द्विवेदी समेत जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता व क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

गाजा पर ट्रम्प प्रस्ताव यूएन को करेगा कमजोर

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा के मोह में अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के तमाम हिस्सों में जारी अशांति पर शांति थोपने की असफल कोशिश करते रहे हैं। कई देशों में टकराव के बाद शांति की स्थापना की असफल कोशिशों के पश्चात अब ट्रंप गाजा में शांति थोपने का उपक्रम कर रहे हैं। गाजा में शांति स्थापना के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित योजना विश्व की नियामक संस्थाओं के ढांचे से बाहर उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी कदम है। गाजा में शांति बनाये रखने के लिये मुनाफे व व्यापार जैसी प्रक्रिया के रूप में यह प्रयास अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को एक प्रत्यक्ष चुनौती है। जो लंबे समय से दुनिया के सबसे जटिल संघर्षों में से एक गाजा संकट को दूर करने के प्रयासों में लगी हुई हैं। सही मायनों में ट्रंप का यह शांति प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ को दरकिनार करने जैसा है, जिसको लेकर उन्होंने बार-बार नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हैं। उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका-संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता,सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी। आज गाजा संकट जिस मुश्किल दौर में पहुंच चुका है, उसके लिये जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्रियान्वयन, नागरिकों की सुरक्षा और समावेशी शासन का मार्ग प्रभावी समझौते से सुनिश्चित किया जाए। ऐसे हालात में यदि अमेरिका अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देता है या राजनीतिक अधिकारों के बजाय आर्थिक वादों को प्राथमिकता देता है, तो इस प्रयास में उस जोखिम की आशंका बनी रह सकती है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह सकता है। गाजा में शांति के लिये नये प्रयास कसौटी पर तभी खरे उतर सकते हैं जब इसमें गाजा की वास्तविक आवाज को सुना जाता हो। निश्चित रूप से हिंसा पर काबू पाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन नागरिकों के जीवन की गरिमा बनाये रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। शांति समझौते में यदि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी होती है तो यह शांति प्रस्ताव एक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि दशकों से हिंसा व विस्थापन का दंश झेल रहे गाजावासियों के कष्टों को और बढ़ाएगा ही। भारत को इस शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव अमेरिका की ओर से दिया गया है।

भारत वहां सदा से ही द्विराष्ट्र के सिद्धांत का समर्थन करता आया है। निर्विवाद रूप से भारत के जहां इस्राइल से बेहतर संबंध हैं, वहीं विश्वसनीयता अरब देशों में भी बरकरार रही है। गाजा में शांति प्रयासों में लगे अरब देशों के साथ भारत के मधुर संबंध रहे हैं। निस्संदेह, भारत हमेशा से ही प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये बहुपक्षीय मंचों पर ही भरोसा करता रहा है।

ऐसे में गाजा में शांति के लिये पहल वैश्विक राजनीति में ट्रंप-प्रेरित उथल-पुथल को ही दर्शाती है। यदि गाजा में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास संयुक्त राष्ट्र को नजरअंदाज करते हैं, तो यह उस अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को कमजोर करने का जोखिम बढ़ाएगा, जिसकी जरूरत समझौते के पूरा होने के बाद शांति बनाये रखने के लिये है।उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं।

उथल-पुथल के बीच निर्णायक मोड़ पर ईरान

यशवंत सचदेव

लेकिन, कई स्रोतों की रिपोर्ट है कि हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने बेरहमी से कार्रवाई की; जिसकी वजह से अब तक बड़ी संख्या में मौतें हो चुकी हैं और हज़ारों लोग हिरासत में लिये। आने वाले दिन या शायद हफ़्ते, तय करेंगे कि व्यापक तौर पर नापसंद मौजूदा सत्ता का भविष्य क्या होगा, हालांकि यह लंबे समय से कायम है और अगले महीने अपने 48वें साल में कदम रखने वाली है। 28 दिसंबर से शुरू होकर, संपूर्ण ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और दंगे हुए। आरंभ तेहरान के ग्रैंड बाज़ार से हुआ। व्यापारी दुकानें बंद कर धरने पर बैठ गए, उनके विरोध की मुख्य वजह थी ईरानी मुद्रा, रियाल का अपने मुख्य मूल्य मापदंड अमेरिकी डॉलर के बरक्स बेतरह गिरना। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन की सरकार द्वारा वित्तीय एवं आर्थिक सुधार करने के फैसले ने आग में घी डाल दिया, इसके पीछे हर चीज़ पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध भी एक वजह है। एक प्रस्ताव था कि तरजीही विनिमय दर व्यवस्था वापस ले ली जाए, जिसके तहत व्यापार संघ, जिन्हें वहां 'बाज़ारी' कहा जाता है, उन्हें भारी सब्सिडी पर बहुत कम दाम पर विदेशी मुद्रा मुहैया करवायी जाती है। ये 'बाज़ारी' नियंत्रित विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत तरजीही सरकारी फंड की उपलब्धता का पूरा बचाव करते आये हैं। पेज़ेशकियन के फैसले ने सत्ताधारी मौलाना वर्ग को इस मुद्दे पर बांट दिया, जो अर्थव्यवस्था पर बाज़ारियों के प्रभाव से परिचित हैं। जो विरोध प्रदर्शन बाज़ारियों द्वारा दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर शुरू हुए, वे जंगल में आग की तरह फैल गए, जिसमें छात्र और समाज का हरेक तबका शामिल हो गया, उनमें हताशा-निराशा लंबे समय से है, खासकर युवाओं में। इसके कुछ कारण हैं, अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार की खस्ता हालत, उच्च महंगाई दर (अनुमानित 45 फ़ीसदी) और सरकार का आर्थिक कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार व सरकारी छूट का अनुचित लाभ लेने से लोगों में उपजी निराशा।

ईरान में पिछले विरोध प्रदर्शनों का पैटर्न, जिसमें सबसे ताजा 2022 का हिजाब-विरोधी प्रदर्शन था, कुछ ऐसा रहा कि लोगों की नाराज़गी शुरू में तो किसी सामाजिक (हिजाब-विरोध) या आर्थिक शिकायत से भड़की, लेकिन तुरंत ही सियासी बगावत में बदल गयी। मौजूदा आंदोलन भी उसी पैटर्न पर है। हालांकि, इस बार, विरोध, और विरोध करने वालों की विविधता ङ्कजिसमें सभी वर्ग शामिल हैंङ्क भरा विरोध जिस तेजी

से फैला वैसी पहले कभी नहीं देखी। एक अतिरिक्त अवयव यह कि फ़लस्तीन, सीरिया व लेबनान के मामले में ईरानी सरकार के दखल से पड़े आर्थिक बोझ पर नाराज़गी खुलकर जाहिर हुई है। एक गौरवशाली विरासत से खिलवाड़ की कोशिश सरकार के खिलाफ़ आम नारा 'तानाशाह को सजाए मौत'जिससे अभिप्राय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई हैङ्क के अलावा अब 'न गाज़ा न लेबनान के लिए, मेरी जान है ईरान के लिए' जैसे नारे भी लग रहे हैं। एक नया अवयव है 'जाविद शाह' (शाह अमर रहे) का नारा है, यानी अमेरिका में निर्वासन काट रहे युवराज रेज़ा पहलवी। पहलवी इस बगावत का श्रेय चाहते हैं और खुद को बतौर सही विकल्प पेश कर रहे हैं।

हालांकि ईरान की बिखरी राजनीति और पहलवी की ईरानियों की इस पीढ़ी से दूरी के चलते यह मुश्किल काम लगता है। राजशाही ईरानियों के बीच विवादास्पद मुद्दा है। वर्तमान सामाजिक उथल-पुथल की तीव्रता और उस पर सरकार की जानी-पहचानी सख़्ती ने पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक खिलाड़ियों में एक की अंदरूनी स्थिरता को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं। दोनों मुल्क सुन्नी और शिया पंथ की विचारधाराओं के ज़रिए इस्लामिक उम्माह की सरदारी के लिए होड़ में हैं। जबकि इस्लाम के ये दोनों पंथ भारत में शांति के साथ सह-अस्तित्व में हैं, यह परिदृश्य ओआईसी (ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन) के किसी एक भी देश में नजर नहीं आता।भारत और ईरान के बीच पारंपरिक रूप से करीबी ऐतिहासिक रिश्ते रहे और हाल के वर्षों में और प्रगाढ़ हुए, खासकर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट के प्रबंधन एवं परिचालन की भागीदारी के जरिये। ब्रिक्स और एससीओ की सदस्यता दोनों देशों को सहयोग बढ़ाने देने में मददगार है।

एक गौरवशाली विरासत से खिलवाड़ की कोशिश

दयाल सिंह कॉलेज नाम विवाद

डा0 सुधीर कुमार

कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और द ट्रिब्यून ट्रस्ट के अध्यक्ष एन.एन. वोहरा के अनुसार 'कॉलेज का नाम बदलने का कोई भी कदम 'अत्यंत अनुचित और अविवेकपूर्ण होगा'।

महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, दूरदृष्टा, राष्ट्रवादी नेता सरदार दयाल सिंह मजीठिया द्वारा शिक्षा प्रसार के लिए दिए योगदान को कृतज्ञ राष्ट्र भुला नहीं सकता। उनके सपनों को साकार करने हेतु दिल्ली में स्थापित दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की अप्रिय कोशिश फिर हुई है। 'वीर बाल दिवस' के मौके पर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर ने एक बार फिर दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम कॉलेज का नाम बंदा सिंह बहादुर के नाम पर रखना चाहते हैं। दलील दी गई कि दयाल सिंह नाम के मॉर्निंग व इवनिंग कॉलेज होने से छात्रों को भ्रम होता है। दयाल सिंह कॉलेज का एकेडमिक सेशन 1959 में शुरू हुआ और यह कन्फ्यूज़न 67 साल बाद, 2026 में पैदा हुआ। कथित भ्रम के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2025-2026 में मॉर्निंग और इवनिंग कॉलेजों में 9300 से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्वान और प्रतिभाशाली शिक्षकों के कारण कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के 10 शीर्ष कॉलेजों में आता है। सरदार दयाल सिंह मजीठिया (1848-1898), पंजाब के मजीठा गांव के एक महान सपूत थे, जो एक महान परोपकारी, राष्ट्रीय नायक और समानता, स्वतंत्रता, भाईचारा, उदारवाद और मानवता के प्रेमी थे।

समाज में अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए, दयाल सिंह मजीठिया ने तीन ट्रस्टों की स्थापना की- द ट्रिब्यून ट्रस्ट, कॉलेज ट्रस्ट और लाइब्रेरी ट्रस्ट। उनके अथक प्रयासों के कारण, पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर की स्थापना 1882 में हुई। दयाल सिंह मजीठिया 'द ट्रिब्यून' (2 फरवरी, 1881) और

'पंजाब नेशनल बैंक' (मई 1894) के संस्थापक भी थे। दयाल सिंह कॉलेज, लाहौर की स्थापना 1910 में दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी द्वारा, मजीठिया जी की वसीयत के अनुच्छेद 8 में दिए गए निर्देशों के अनुसार की गई थी। विभाजन के कारण दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी की अधिकांश संपत्ति लाहौर में ही रह गई। ट्रस्ट ने ईमानदारी से दयाल सिंह की विरासत और विचारधारा को आगे बढ़ाया। दयाल सिंह कॉलेज, करनाल (9 सितंबर, 1949), दयाल सिंह पब्लिक लाइब्रेरी, दिल्ली (1954-55), और दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली (1958) की स्थापना की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के संस्थापक वाइस-चांसलर दीवान आनंद कुमार ने इन एजुकेशनल संस्थानों को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली की स्थापना करने और फाइनेंशियल संकट से उबरने के लिए, ट्रस्ट को दयाल सिंह कॉलेज, करनाल की ज़मीन बेचनी पड़ी। 1978 में, फाइनेंशियल संकट के कारण, दयाल सिंह कॉलेज (मॉर्निंग और इवनिंग) को एक एग्रीमेंट के ज़रिए दिल्ली यूनिवर्सिटी को ट्रांसफर किया गया। ट्रस्ट सोसाइटी को बदले में कोई मुआवज़ा नहीं मिला। लेकिन एग्रीमेंट के क्लॉज़ 12 के अनुसार, 'संस्थान को दयाल सिंह कॉलेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।' फलतः व्यक्ति या सरकार को एग्रीमेंट की शर्तों का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं है। नवंबर 2017 में भी दयाल सिंह कॉलेज गवर्निंग बॉडी के तत्कालीन चेयरमैन अमिताभ सिन्हा इसका नाम बदलने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने कहा कि इवनिंग कॉलेज का नाम बदलकर 'पंडित मदन मोहन मालवीय कॉलेज' कर दिया जाएगा। 17 नवंबर, 2017 को, वे कॉलेज गवर्निंग बॉडी से दयाल सिंह कॉलेज का नाम बदलकर 'वंदे मातरम कॉलेज' करने और उसे मॉर्निंग शिफ्ट में शिफ्ट करने का प्रस्ताव पास करवाने में सफल रहे, जिसकी फाइनल मंज़ूरी यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर को देनी थी। इस कदम की सोशल मीडिया, अखबारों और टेलीविज़न चैनलों पर कड़ी आलोचना हुई। इसे शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता पर एक खतरनाक हमला भी माना गया। भाजपा की सहयोगी शिरोमणि अकाली दल व कांग्रेस नेताओं ने भी इस फैसले की आलोचना की। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के महासचिव मनजीत सिंह सिरसा और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह ने प्रस्ताव वापस लेने की मांग की। एसजीपीसी के अध्यक्ष सरदार हैं।

आरोपी ने साथी की मदद से जबरन किशोरी को बाइक पर बैठाकर ले गया था

छात्रा से दुष्कर्म कर बनाया वीडियो 10 लाख की फिरौती मांगी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर। थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग किशोरी को कन्नौज जिले के ठठिया थाना क्षेत्र निवासी युवक ने घर ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवक ने किशोरी के अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की मांग कर रहा है। पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी नाबालिग बेटी को आरोपी बीते छह माह से स्कूल आते-जाते समय परेशान कर रहा था। बीते माह एक दिन वह अपने साथी की मदद से जबरन किशोरी को बाइक पर बैठाकर अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और फोटो-वीडियो बना लिए।

इसके बाद आरोपी युवक वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल करता रहा। आरोप है कि आरोपी की मां जातिसूचक गालियां देती है और बदनाम करने की बात कहती है। वहीं, युवक कहीं और शादी कराने पर जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। पीड़िता की मां के अनुसार आरोपी ने किशोरी को एक की पैड मोबाइल भी दिया और बुलाने पर आने का दबाव बनाता था। परिजनों ने बताया कि आरोपी पहले भी ऐसे ही एक मामले में पटियाली से जेल जा चुका है। मामले में इंस्पेक्टर बिल्हौर सुधीर कुमार ने बताया कि मामले की जाँच की जा रही है।

नाबालिग से गैंगरेप, चचेरे भाई गिरफ्तार

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। शौच के लिए घर से बाहर निकली 13 वर्षीय किशोरी के साथ पड़ोस में रहने वाले चचेरे भाइयों ने कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म किया पीड़िता की मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार रात उनकी बेटी शौच के लिए बाहर गई थी, लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास खोजबीन की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। तड़के सुबह किशोरी बदहवास हालत में घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी दी। पीड़िता के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले दो चचेरे भाइयों ने उसे जबरन पकड़ लिया, मुंह दबाकर अपने घर ले गए और दो मंजिला मकान के कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी तरह मौका पाकर वह आरोपियों के चंगुल से छूटकर घर पहुंची। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। डीसीपी वेस्ट कासिम अबीदी ने बताया कि गैंगरेप की घटना सामने के आने के बाद पुलिस सक्रिय हुई।जाँच करते हुए आरोपी दोनों चचेरे भाई को गिरफ्तार किया गया। बच्ची का मेडिकल कराया गया है। आगे की विधि कार्रवाई की जा रही है।

पत्रकारों का जलवा
वॉरियर्स को 65 रन से हराया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

टीटीएस क्रिकेट टूर्नामेंट में पत्रकारों ने ली इंट्री, किया शानदार प्रदर्शन

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर के बीआईसी ग्राउंड पर आयोजित टीटीएस क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को खेले गए मुकाबले में पत्रकारों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गौरी वॉरियर्स को 65 रन से शिकस्त दी। मैच में प्रेस क्लब के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में दबदबा बनाए रखा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पत्रकारों की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में तीन विकेट खोकर 150 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम को ओपनर बब्बन और समीर ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 50 रनों की अहम साझेदारी हुई। समीर 22 रन बनाकर रन आउट हो गए, जबकि बब्बन ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। बब्बन ने मात्र 31 गेंदों पर 67 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें आकर्षक चौके और लंबे छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी के दम पर टीम बड़ा लक्ष्य देने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गौरी वॉरियर्स की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। प्रेस क्लब के गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से गेंदबाजी करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। परिणामस्वरूप गौरी वॉरियर्स की पूरी टीम महज 85 रन पर सिमट गई और आठवें ओवर में ही ऑल आउट हो गई। इस तरह ग्रामीण प्रेस क्लब ने यह मुकाबला 65 रन से अपने नाम कर लिया। शानदार बल्लेबाजी के लिए बब्बन को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया और आयोजन समिति की ओर से सम्मानित किया गया। मैच के दौरान अरुण पांडेय, धीरज शुक्ला, मुदस्सर अली, समीर, अनुप वर्मा, बीपी सिंह, जतीन, कुंदन, अकील, बिपिन, रेहान, मोजिज , रोशन बाबू, आफाक,गगन और आलोक अवस्थी सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

दबंगों ने किसान पर कुल्हाड़ी से किया हमला, हालत गंभीर

चौबेपुर के देवकली गांव की घटना, तीन पर एफआईआर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चौबेपुर (बिल्हौर)। बिकरू चौकी क्षेत्र के देवकली गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने एक किसान पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सीएचसी चौबेपुर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

देवकली गांव निवासी रामस्वरूप के अनुसार, रविवार दोपहर वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही हरिशंकर, उनका पुत्र शिवम और कपिल घर की महिलाओं के साथ वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब रामस्वरूप ने विरोध किया तो आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में उसके पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर भिजवाया, जहां

उसका इलाज जारी है।पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोर्ट के गैर-जमानती वारंट में चार आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिल्हौर पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के आधार पर एक ही परिवार के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना बिल्हौर में पूर्व से दर्ज मुकदमों के चलते यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ओमप्रकाश, अमित, शिवानी, श्रीदेवी शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम ददिखा थाना बिल्हौर के निवासी बताए गए हैं। पुलिस टीम ने चारों को उनके आवास से हिरासत में

लिया। बताया गया कि आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, जिसके अनुपालन में पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक जनमेद सिंह, उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह एवं महिला उपनिरीक्षक प्रियंका सिंह शामिल रहीं। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार का कहना है कि अभियान के तहत आगे भी वारंटियों व वांछित अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कैबिनेट मंत्री के बंद कॉलेज में 9 साल की मासूम फांसी पर लटकी मिली

घटना के बाद से नानी ममता कॉलेज से लापता है, फोन भी लगातार स्विच ऑफ बता रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर /घाटमपुर। कानपुर के घाटमपुर में 9 वर्षीय मासूम का शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटकता मिला है। यह कॉलेज यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान का बताया जा रहा है. यह कई सालों से बंद पड़ा है. फिलहाल, घाटमपुर इंस्पेक्टर मौके पर पहुंच गए है. उनके साथ फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची थी।

बंद पड़े कॉलेज में मासूम का शव सबसे पहले चौकीदार ने देखा. फिर इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी. फिलहाल, घटना के बाद से मृतका की नानी लापता हैं. यह घटना कॉलेज परिसर के अंदर मौजूद सर्वेंट क्वार्टर की है.

कानपुर के बाबूपुरवा निवासी मंजीत ने बताया कि उनकी पत्नी लक्ष्मी की पहली शादी से एक बेटी वैष्णवी उर्फ रानी थी. वह अपनी नानी ममता के साथ घाटमपुर थाना क्षेत्र के बरनाव मोड़ के पास स्थित बंद पड़े कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के बाबा बैजनाथ डिग्री कॉलेज में मौजूद सर्वेंट क्वार्टर में रहती थी. मंजीत की लक्ष्मी से दो बेटी रिद्धि और कीर्ति हैं, जो उनके साथ कानपुर में रहती है. मंजीत ने बताया कि वह रक्षाबंधन में कॉलेज आए थे, तब वैष्णवी काफी खुश थी. अचानक सोमवार यानी 19 जनवरी देर रात कॉलेज के चौकीदार कामता का फोन आया. उन्हें बेटी के फांसी के फंदे पर लटकने की सूचना मिली. इसके बाद वह पत्नी के साथ कॉलेज तुरंत कॉलेज पहुंचे.

पुलिस को लापता नानी की तलाश

जानकारी मिलते ही पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई. फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. घटना के बाद से नानी ममता कॉलेज से लापता है. मंजीत ने बताया कि उन्होंने

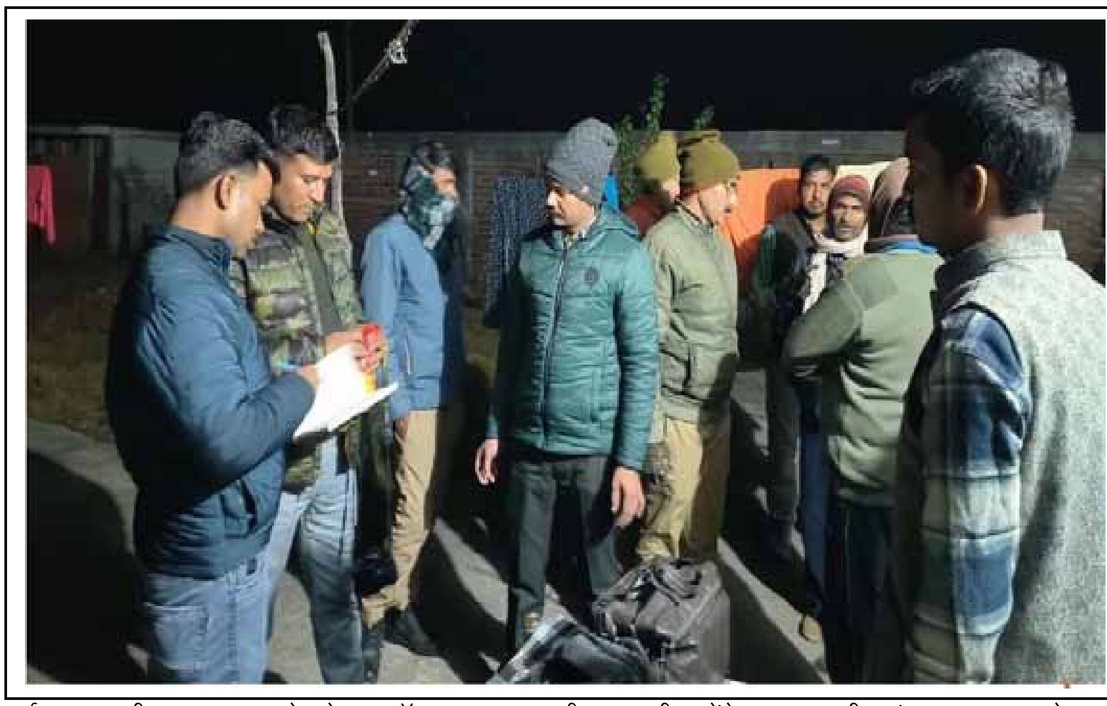

कई बार अपनी सास ममता को फोन मिलाया लेकिन वह लगातार स्विच ऑफ बता रहा. इसकी जानकारी उन्होंने घाटमपुर इंस्पेक्टर को दी है. पुलिस घटना की जांच पड़ताल करने साथ लापता नानी की तलाश कर रही है.

22 जनवरी से जिले में खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान

6 लाख 66 हजार 939 वैक्सीन जिले को भेजी गई

डॉक्टर सुबोध कुमार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, जिले के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुबोध कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए 22 जनवरी से 10 मार्च तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए जिले को कुल 6,66,939 वैक्सीन प्राप्त हो चुकी हैं।

डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि यह अभियान जिले के सभी 10 विकासखंडों में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं को टीका लगाया जाएगा। आठ माह से अधिक आयु के सभी पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा, जबकि चार माह से कम आयु के बच्चों एवं गर्भित पशुओं को इस अभियान से बाहर रखा गया है।

उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं के कान में टैग (छल्ला) लगवाकर भारत पशुधन एप पर पंजीकरण कराने में विभागीय टीम का सहयोग करें। चयनित वैक्सीनेटर एवं पशु मित्र गांव-गांव जाकर पशुपालकों के द्वार पर निःशुल्क टीकाकरण करेंगे तथा पशुओं की पहचान के लिए टैगिंग भी की जाएगी।सीवीओ ने बताया कि अभियान की अवधि कुल 45 दिन रहेगी। इस दौरान 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) एवं 02 मार्च (होली) के सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर नियमित रूप से टीकाकरण किया जाएगा।डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि खुरपका-मुंहपका एक अत्यंत संक्रामक एवं घातक वायरस जनित रोग है, जिसमें पशुओं को तेज बुखार आता है तथा मुंह और खुरों के बीच घाव हो जाते हैं। समय पर उपचार न होने पर घावों में कीड़े भी पड़ सकते हैं। यह रोग पानी, चारा एवं हवा के माध्यम से तेजी से फैलता है। इससे पशु दूध देना बंद कर देता है, कार्यशील पशु काम करने योग्य नहीं रहता और कई मामलों में छोटे पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है।

फेरी के लिए निकले किशोर को रौंदता हुआ निकल गया ट्रैक्टर

» कोतवाल ने कहा कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में फेरी करने जा रहे एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने पीछे से ठेली लेकर जा रहे किशोर को टक्कर मार दी और उसे रौंदते हुए निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कस्बा रसूलाबाद के रहीमनगर वार्ड निवासी कमल कुमार कठेरिया अपने पुत्र मयंक कठेरिया (14) के साथ ठेली पर चूड़ियां बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। प्रतिदिन की तरह मंगलवार सुबह मयंक ठेली लेकर फेरी के लिए निकला था। वह विषधन रोड पर बंबी के पास ही पहुंचा था कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार स्वराज ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर किशोर को रौंदता हुआ आगे बढ़ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किशोर को ट्रैक्टर के नीचे फंसा देख लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर रसूलाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं ट्रैक्टर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की लागत से बने कूड़ा निस्तारण केंद्र बने घासघर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वच्छ भारत मिशन में हो रही घोर लापरवाही, एडीओ पंचायत अगर निरीक्षण नहीं करते

कानपुर देहात। स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर गांवों की तस्वीर बदलने के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। जनपद की 618 ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बनाए गए लगभग 300 आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) आज तक एक भी चालू नहीं हो सके।

तुर्किमऊ गांव का सेंटर बंद पड़ा

प्रत्येक आरआरसी सेंटर पर लगभग 5 लाख रुपये खर्च किए गए। इस तरह जनपद में करोड़ों रुपये जनता के पैसे से खर्च कर दिए गए, लेकिन न तो गांव साफ हुए, न जैविक खाद बनी और न ही कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण शुरू हो पाया। योजना के अनुसार गांवों से निकलने वाले कचरे को आरआरसी सेंटर पर लाकर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, गीले कचरे से जैविक खाद का निर्माण और प्लास्टिक जैसे अजैविक कचरे को पीएमयू यूनिट भेजकर निस्तारण किया जाना था। इससे ग्राम पंचायतों की आय बढ़नी थी और गांवों को गंदगी से मुक्ति मिलनी थी, लेकिन हकीकत में आरआरसी सेंटर केवल भवन निर्माण तक सीमित रह गए।

विकास खंड मलासा के अधिकांश गांवों में बने आरआरसी सेंटर पूरी तरह निष्क्रिय पड़े हैं। कहीं केंद्रों में कमर तक घास उग आई है, तो कहीं एक साल से ताले लटक रहे हैं। सवाल यह है कि क्या संचालन के लिए कर्मचारी नियुक्त नहीं किए गए? क्या पंचायतों को जिम्मेदारी नहीं दी गई? या फिर निर्माण के बाद फंड और जवाबदेही दोनों गायब हो गए?

क्या बोले अधिकारी

बीडीओ मलासा संजय कन्नौजिया ने बताया है शासन से बजट का अभाव चल रहा है। बजट आते ही ग्राम पंचायत में इसका संचालन करवाया जायेगा। ओर जो लोग इसका निजी प्रयोग कर रहे तो दिखवाया जाएगा।

टोडरपुर गांव में बंद पड़ा सेंटर

तुर्कीमऊ गांव (मलासा ब्लॉक)

गांव के बाहर बना आरआरसी सेंटर लगभग एक वर्ष पहले तैयार हुआ। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब गांव में कूड़े के ढेर नहीं लगेंगे। लेकिन आज स्थिति यह है कि केंद्र परिसर में बड़ी-बड़ी घास उग आई है, आसपास गंदगी फैली है और कूड़ा फिर खुले में डाला जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ÿसेंटर बना जरूर, लेकिन कभी चला ही नहीं

टोडरपुर गांव (ब्लाक मलासा)

दो माह पहले लाखों रुपये की लागत से बना आरआरसी सेंटर शोपीस बनकर खड़ा है। केंद्र पर हमेशा ताला लटका रहता है। ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण के बाद से अब तक एक दिन भी संचालन नहीं हुआ और अंदर कचरा पड़ा है।

सनायाखेड़ा (मलासा)

गांव के कई लोगों से इस संबंध में जानकारी की बताया जब से बना आज तक इसको कोई देखने तक नहीं आया है। ओर गांव के कुछ लोग इसी के अंदर घरों का समान रखने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। सरकारी योजनाएं सिर्फ कागज पर ही चल रही है।

30 फीट गहरे कुएं में गिरी गाय को सुरक्षित निकाला

» 112 की फुर्ती, फायर ब्रिगेड के साहस और ग्रामीणों के सहयोग से सफल रहा रेस्क्यू अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। सरवनखेडा ब्लॉक के ग्राम मंगटा में भागती हुई एक गाय 30 फीट गहरे कुएं में जा गिरी, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। गांव वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने गाय का सुरक्षित रेस्क्यू कर कुएं से बाहर निकाला।

गाय के कुएं में गिरने पर पूर्व प्रधान सुरेश सिंह चौहान ने ग्रामीणों को व प्रशासनिक अफसरों को जानकारी दी। वरिष्ठ समाजसेवी शिवनारायण सिंह चौहान ने भी 112 आपात सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही 112 पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए माती फायर ब्रिगेड को बुलाया। कुछ ही समय में माती फायर ब्रिगेड की टीम आधुनिक उपकरणों के साथ पहुंची। 30 फीट गहरे कुएं में फंसी गाय को बाहर निकालना अत्यंत जोखिमपूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन फायर ब्रिगेड के जवानों ने असाधारण साहस, तकनीकी दक्षता और अनुशासन का परिचय देते हुए रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया। इस मानवीय प्रयास में बजरंग दल के कार्यकर्ता भी सेवा भाव के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अथक परिश्रम किया। सभी के सामूहिक सहयोग, समर्पण और संकल्प से यह कठिन कार्य सफल हो सका। गाय के सुरक्षित बाहर आते ही पूरे गांव में राहत, संतोष और हर्ष की लहर दौड़ गई।

शिक्षण कार्य में विज्ञान व गणित किट का प्रभावी उपयोग जरूरी

पठन-पाठन व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए प्रधानाध्यापकों की अहम बैठक हुई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड स्थित श्रीकृष्ण औद्योगिक इंटर कॉलेज में पठन-पाठन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रधानाध्यापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं खंड शिक्षा अधिकारी आनंद भूषण सिंह के निर्देशन में की गई।

बैठक के दौरान एसआरजी अजय गुप्ता ने निपुण विद्यालय एवं निपुण लक्ष्य की बारीकियों को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यालयों में छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षण कार्य में विज्ञान किट एवं गणित किट के प्रभावी उपयोग से शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने खेल सामग्री के माध्यम से बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने का भी आह्वान किया।

एआरपी अश्वनी कटियार ने बताया कि डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण असेसमेंट कराया जाना प्रस्तावित है, इसलिए सभी बच्चों को अभ्यास पत्रों के माध्यम से नियमित अभ्यास कराया जाए ताकि वे निपुण बन सकें। उन्होंने शिक्षकों से टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) का अधिक से अधिक उपयोग करने एवं खेल-खेल में शिक्षा देने की पद्धति अपनाने की अपील की।

इसके अतिरिक्त एआरपी अश्वनी कटियार ने निपुण लक्ष्य, दीक्षा ऐप, संदर्शिका एवं ईको क्लब फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत विद्यालयों का नोटिफिकेशन फॉर्म अपलोड करने की जानकारी भी दी। इस अवसर पर एआरपी योगेंद्र त्रिवेदी, वीरेंद्र विक्रम सिंह, हेड क्लर्क जितेंद्र, सोहन आशीष, प्रमोद,सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

अंनतराज हॉस्पिटल की लापरवाही से गर्भवती महिला की मौत

» ऑपरेशन के बाद बिगड़ी थी महिला की हालत, एक लाख रुपये लेकर किया गया ऑपरेशन

» समय पर इलाज न मिलने से गई जान, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप, 10 लाख मुआवजे की मांग

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात । जनपद के अकबरपुर क्षेत्र स्थित अंनतराज हॉस्पिटल में गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने हॉस्पिटल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही और धन उगाही का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। जानकारी के अनुसार परसदापुर गांव निवासी 27 वर्षीय निरु यादव पत्नी चरण सिंह को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन अंनतराज हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि हॉस्पिटल प्रबंधन ने सामान्य प्रसव से साफ इंकार करते हुए देर रात ऑपरेशन कराने का दबाव बनाया और इसके लिए 1 लाख रुपये की मांग की। परिजनों ने किसी तरह रुपये की व्यवस्था कर ऑपरेशन कराया।

मृतका के देवर अजय यादव के अनुसार ऑपरेशन के बाद लगभग 4 घंटे तक जच्चा और नवजात बच्ची की स्थिति सामान्य बताई जाती रही, लेकिन इसके बाद अचानक निरु यादव की हालत बिगड़ने लगी। आरोप है कि गंभीर स्थिति में तत्काल इलाज करने के बजाय हॉस्पिटल संचालक ने महिला को कानपुर स्थित अपने निजी हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। परिजन जब महिला को बाहर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई।

मृतका के पति चरण सिंह ने हॉस्पिटल पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते सही इलाज मिलता तो उनकी पत्नी की जान बच सकती थी। उन्होंने बताया कि उनकी पहले से एक 8 वर्षीय बेटी मन्नत है, जो कक्षा 2 में पढ़ती है, जबकि नवजात बच्ची का जन्म घटना से एक दिन पहले ही हुआ था। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि हॉस्पिटल की लापरवाही ने एक नन्ही बच्ची से मां का आँचल छीन लिया और अब दोनों बेटियों की परवरिश कैसे होगी, यह समझ पाना बेहद कठिन है।

परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना की सूचना हॉस्पिटल द्वारा पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन लिखित शिकायत दर्ज करने से पहले ही समझौते का दबाव बनाया जाने लगा। मृतका की सास सुमित्रा देवी और अन्य परिजनों ने अंनतराज हॉस्पिटल से दोनों बच्चियों की शिक्षा और पालन-पोषण के लिए 10 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे हर स्तर तक संघर्ष करेंगे। गौरतलब है कि अंनतराज हॉस्पिटल पर पहले भी इलाज में लापरवाही और अवैध संचालन के आरोप लगते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हॉस्पिटल बिना मान्यता के संचालित किया जा रहा है, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करता है या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। संबंध में अस्पताल संचालक अमित कटियार से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी। वहीं, डिप्टी सीएमओ डॉ सीएल वर्मा ने कहा कि इस मामले की जानकारी हुई है लेकिन मृतका की ओर से अभी तक कोई शिकायत नहीं की गई है।

गुटका लेने गए युवक पर फायरिंग, पैर में लगी गोली

घायल ने किसी रंजिश से इनकार किया, पुलिस कर रही जांच

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलियापुर गांव में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गुटका लेने गए एक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। इस जानलेवा हमले में युवक के दाहिने पैर की जांघ में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बलियापुर गांव निवासी राहुल तिवारी गांव की एक दुकान पर गुटका लेने गए थे। इसी दौरान वहां पहुंचे तीन अज्ञात युवकों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों की तीन राउंड फायरिंग में एक गोली राहुल के दाहिने पैर में लगी।

घटना के बाद परिजन राहुल को तत्काल हवासपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक अमित निरंजन ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा एवं थाना प्रभारी मंगलपुर महेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। घायल राहुल तिवारी ने फिलहाल किसी भी प्रकार के पुराने विवाद या रंजिश से इनकार किया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा ने बताया कि घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है। हमलावरों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला संबंधी अपराध में वांछित किशोर गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला संबंधी अपराध में वांछित एक किशोर को भोगनीपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। किशोर पर दुष्कर्म का आरोप होना बताया गया है। पुलिस पूछताछ में किशोर ने बताया कि वह और संबंधित युवती पिछले करीब दो वर्षों से एक–दूसरे से प्रेम करते हैं। उसके अनुसार 04 दिसंबर 2025 को युवती का उसके माता–पिता से विवाद हो गया था, जिसके बाद वह नाराज होकर उसके पास राजस्थान चली गई थी। किशोर का कहना है कि उसने युवती के लिए वहां अलग कमरे की व्यवस्था की थी और वह उससे विवाह करना चाहता है। किशोर ने किसी भी प्रकार के गलत कृत्य से इनकार किया है। यह मामला जलपुरा निवासी जितेन्द्र सिंह उर्फ जयसिंह की तहरीर पर दर्ज किया गया था।

जहानाबाद टीम ने पनकी कानपुर टीम को हराया

» पुलंदर गांव में वार्षिक 15 दिवसीय वन–डे क्रिकेट टूर्नामेंट

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के पुलंदर गांव में आयोजित 11वें वार्षिक 15 दिवसीय वन-डे क्रिकेट टूर्नामेंट में जहानाबाद की टीम ने पनकी कानपुर को कड़े मुकाबले में पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले को देखने के लिए दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंचे और मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

जहानाबाद टीम के कप्तान विकास दुबे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। जहानाबाद की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 17 ओवरों में 203 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से भूरे तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 58 रन बनाए, जबकि इम्तियाज ने 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर दर्शकों को खूब रोमांचित किया।

204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पनकी कानपुर की टीम ने भी शानदार शुरुआत की और कुछ समय तक मुकाबले में बनी रही, लेकिन जहानाबाद के गेंदबाजों के सामने वह अधिक देर टिक नहीं सकी। पनकी कानपुर की पूरी टीम 15.5 ओवर में 191 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और यह रोमांचक मुकाबला जहानाबाद टीम ने अपने नाम कर लिया।

शानदार नेतृत्व और हरफनमौला प्रदर्शन के लिए जहानाबाद टीम के कप्तान निजाम को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, ग्राम प्रधान, वी.के. तिवारी, सोनू भदौरिया, पंकज त्रिपाठी , सुबोध , गौरव, अंपायर राधा किशन, कमेंटेटर बउआ भदौरिया एवं मधुर, बबलू, प्रदीप मास्टर साहब, छोटे लाल, अजय दुकानदार, अवधेश, रामबहादुर आदि रहे।

सड़क पर सड़ रहा 'सब्ज़ी का राजा'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद।सब्ज़ियों का राजा कहलाने वाला आलू इन दिनों फर्रुखाबाद में किसानों के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। जिले के कई कोल्ड स्टोरेजों से सड़ा-गला आलू सड़कों और खुले स्थानों पर फेंका जा रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद प्रशासनिक सख्ती और स्थायी समाधान के अभाव में हर साल हजारों टन आलू बर्बाद हो रहा है।

किसानों का कहना है कि इस बार मौसम की मार ने पहले ही उत्पादन को प्रभावित किया, ऊपर से बाजार में आलू के दाम लागत से भी नीचे चले गए। मजबूरी में किसान कोल्ड स्टोरेज से आलू नहीं निकाल पा रहे, नतीजतन शीतगृह संचालक खराब हो चुके आलू को बाहर फेंकने को मजबूर हैं। इस बाबत आलू विपणन संघ के निदेशक अशोक कटिहार (एडवोकेट) के अनुसार, जनपद में 109 कोल्ड स्टोरेजों में 7.14 लाख मीट्रिक टन आलू भंडारित है, जबकि करीब 50 हजार मीट्रिक टन आलू अभी भी पड़ा हुआ है, जिसे किसान कम दाम के कारण नहीं निकाल रहे। उन्होंने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश के 2207 शीतगृहों में लगभग 195 लाख मीट्रिक टन आलू भंडारित है, लेकिन इस वर्ष दाम इतने कम हैं कि किसानों की लागत तक नहीं निकल पा रही।

» **फर्रुखाबाद में कोल्ड स्टोरेज से फेंका जा रहा आलू, बदबू और बीमारी का खतरा**

» **दामों में कमी से बेहाल किसान, नियमों के उल्लंघन पर उठ रहे कई सवाल**

जिला आलू विपणन संघ निदेशक अशोक कटिहार एडवोकेट

सड़ता आलू, फैलता खतरा

कोल्ड स्टोरेज के बाहर सड़ा, कटा, हरा और छरी युक्त आलू फेंके जाने से उठ रही दुर्गंध से आमजन परेशान हैं, मच्छर व कीट पनपने से महामारी फैलने की भी आशंका जताई जा रही है। पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। किसानों और सामाजिक संगठनों ने इसे सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन बताया है।

कोल्ड स्टोरेजों को नोटिस

जिला आलू अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद के 104 कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं और सभी को नोटिस जारी किए गए हैं।

निर्देश दिए गए हैं कि सड़ा आलू कोल्ड स्टोरेज के आसपास न फेंका जाए यदि खराब आलू निकाला जाए तो उस पर मिट्टी और चूना डालना अनिवार्य होगा वहीं कोल्ड स्टोरेज संचालकों का कहना है कि नए आलू के भंडारण को लेकर सफाई के निर्देश मिले हैं। हालांकि कई किसानों का पुराना आलू अब भी पड़ा है, जिसे वे बेहद कम दाम के कारण उठाने को तैयार नहीं हैं।

किसानों की प्रमुख मांगें

- » आलू विकास बोर्ड की स्थापना की जाए
- आलू को मिड-डे मील में शामिल किया जाए
- » शीतगृहों में रखे आलू का सरकारी राशन दुकानों से वितरण हो
- » आलू पर मंडी टैक्स समाप्त किया जाए
- » भंडारण शुल्क पर सरकारी अनुदान मिले
- » नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका निर्यात के लिए फाइटो सैनिटरी लैब स्थापित हो
- » आलू आधारित उद्योगों को फर्रुखाबाद सहित अन्य जिलों में बढ़ावा दिया जाए
- » शीतगृह परिसरों में नेडप कम्पोस्ट यूनिट अनिवार्य की जाए
- » आलू से चिप्स, पाउडर, स्टार्च, एल्कोहल जैसे उत्पाद बनाने की इकाइयां स्थापित हों

सुनवाई न होने पर मंडलायुक्त का मांगा इस्तीफा

केडीए के बर्खास्त कर्मचारी नेता ने 12 अनुस्मारक पत्रों पर कार्रवाई न होने पर उठाए गंभीर सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण के बर्खास्त कर्मचारी नेता राकेश रावत ने मंडलायुक्त द्वारा जारी 12 अनुस्मारक पत्रों का उत्तर केडीए के सक्षम अधिकारियों द्वारा अब तक न दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। राकेश रावत ने इस मामले में उच्च स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए मंडलायुक्त पद से त्याग पत्र की मांग की है, साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रकरण को कार्मिक एवं नियुक्ति विभाग को प्रेषित किया जाएगा।

राकेश रावत ने केडीए के तत्कालीन उपाध्यक्ष अरविंद तथा तत्कालीन सचिव शत्रोहन वैश्य पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट आईजीआरएस प्रणाली पर मिथ्या आख्या प्रेषित की गई, जिससे तथ्य छिपाए गए। उन्होंने तीन प्रमुख बिंदुओं पर दी गई आख्या में लिखा है कि विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा लगातार फर्जी रिपोर्ट भेजी जा रही है।कर्मचारी का दावा है कि उन्होंने सत्य रिपोर्ट के समर्थन में शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है, इसके बावजूद उनकी बातों की अनदेखी की गई। राकेश रावत का कहना है कि सही और गलत का निर्णय केवल निष्पक्ष जांच के बाद ही संभव है, लेकिन अब तक जांच न होना कई सवाल खड़े करता है।

यह मामला मुख्यमंत्री से जुड़े विभाग और लोक सेवकों की सत्यनिष्ठा से संबंधित होने के कारण अत्यंत गंभीर माना जा रहा है। लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग तेज हो गई है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जिम्मेदारों पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो।

विजेंद्र पांडियन मंडल आयुक्त कानपुर

परचून व्यापारी के घर लाखों की चोरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में जूही थाना क्षेत्र में चांद बिल्डिंग के पास रहने वाले एक परचून व्यापारी के घर को चोरों ने निशाना बनाया है। शातिर चोर घर से करीब ढाई लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 60 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित शोएब इलाके में परचून की दुकान चलाते हैं।

उनके घर में घुसे चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर कीमती जेवर और व्यापार के लिए रखी करीब 55 से 60 हजार रुपये की नकदी साफ कर दी। चोरी गए गहनों की कीमत दो से ढाई लाख रुपये के बीच बताई जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।

सार्वजनिक सूचना

मैं चांदनी जुबैर अपना नाम बदलकर चांदनी बेगम पत्नी नायब अहमद, 241/ए, ओम पुरवा चुंगी, कानपुर, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश - 208007 कर लिया। भविष्य में हमें इसी नाम से जाना और पहचान जाए।

सार्वजनिक सूचना

मैं जुबैर अहमद अपना नाम बदलकर नायब अहमद पुत्र पिता मोहम्मद अहमद, 241/ए, ओम पुरवा चुंगी, कानपुर, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश - 208007 कर लिया है। अब से भविष्य में हमें इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

‘नोटों के तराज़ू’ पर मिलेगी मान्यता

» एडी बेसिक पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप, निजी स्कूल संचालकों ने खोला मोर्चा

» जो बोले वह अपमानित, जो दे वह सम्मानित, शिक्षा विभाग पर उगाही के आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शिक्षा विभाग की तस्वीर एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विद्यालयों को ज्ञान का मंदिर बताने वाला तंत्र अब कथित तौर पर ‘नोटों के तराज़ू’ पर मान्यता तौलने लगा है। सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) कौस्तुभ सिंह पर निजी विद्यालयों से मान्यता के नाम पर धन उगाही और विरोध करने पर अभद्रता के गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों के बाद जिले के निजी स्कूल संचालकों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है।

अनएडेड स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने सीधे तौर पर एडी बेसिक के तंत्र पर सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि मान्यता के लिए खुलेआम रकम मांगी गई और जब इसका विरोध किया गया तो अधिकारी का रवैया पूरी तरह असंवैधानिक और अमर्यादित हो गया।सिविल लाइन स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता में संगठन के संरक्षक प्रतिपाल सिंह पाली ने कहा कि 14 जनवरी को डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी अपने विद्यालय की मान्यता के संबंध में एडी बेसिक कार्यालय पहुंचे थे। वहां तैनात लिपिक हरिशंकर पांडेय ने कथित तौर पर मान्यता के एवज में दो लाख रुपये की मांग रख दी। जब इस मांग पर आपत्ति जताते हुए डॉ. त्रिपाठी स्वयं एडी बेसिक कौस्तुभ सिंह के कक्ष में पहुंचे, तो समस्या के समाधान के बजाय उन पर ही अधिकारी भड़क गए। आरोप है कि बातचीत के दौरान एडी बेसिक ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

पुराना रिकॉर्ड भी सवालों के घेरे में

डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता में एडी बेसिक के पूर्व कार्यकाल पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कौस्तुभ सिंह अपनी पिछली तैनाती के दौरान भी विवादों में रहे हैं। सुल्तानपुर में उनके खिलाफ कई गंभीर आरोप लगे थे और आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच भी चल रही है। निजी स्कूल संचालकों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्तिगत टकराव की नहीं, बल्कि मान-सम्मान और स्वाभिमान की है। संगठन ने एडी बेसिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने, तत्काल निलंबन, लंबित आय से अधिक संपत्ति मामले में कार्रवाई और पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शासन और उच्च अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है।

क्या कहा एडी बेसिक ने

एडी बेसिक कौस्तुभ कुमार सिंह ने बताया कि उदया पब्लिक स्कूल की मान्यता से संबंधित प्रकरण की सभी बिंदुओं पर जांच कराई गई। बीएसए स्तर पर गठित कमेटी की रिपोर्ट और उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के बाद यह स्पष्ट हुआ कि विद्यालय पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। विद्यालय कक्षा 1 से 8 तक की मान्यता के लिए आवेदन लेकर आया था और जांच में कोई भी गंभीर अनियमितता नहीं पाई गई।

प्रतिपाल सिंह पाली ने कहा कि डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी जिले के सम्मानित शिक्षाविद हैं, जिनकी पहचान सौम्यता, शालीनता और वैचारिक स्पष्टता रही है। उनके साथ इस तरह का व्यवहार सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था और समाज के स्वाभिमान का अपमान है। संगठन इस मामले को दबने नहीं देगा और हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

अयोध्या से हटाए गए खान अधिकारी

कार्रवाई तीन दिन पहले ही चुपचाप कर दी गई

स्वराज इंडिया | अयोध्या | 11

अवैध खनन ने डुबोया

खान निरीक्षक निलंबित

अयोध्या में बालू माफिया-अफसर गठजोड़ पर गिरी बड़ी गाज

सरयू की रेत में बिछा अवैध खनन का मायाजाल बेनकाब

हलचल खबर का असर

स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।स्वराज इंडिया में उठी आवाज आखिरकार कुर्सियों तक पहुंच ही गई। जिले में तैनात रहे खनन अधिकारी आशीष द्विवेदी को जिम्मेदारी से हटा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई तीन दिन पहले ही चुपचाप कर दी गई थी, ताकि शोर कम रहे और असर दिखता रहे।

बता दें कि इससे पहले खान इंस्पेक्टर चन्द्र शेखर पाठक की विदाई भी हो चुकी है। यानी अवैध खनन की कहानी में अब पुराने किरदार बाहर और नए चेहरों का इंतजार है। यह महज प्रशासनिक फेरबदल नहीं, बल्कि उस दबाव की परिणति है, जो स्वराज इंडिया की खबर के बाद बना। सवाल उठे, दस्तावेज बोले और सिस्टम को हरकत में आना पड़ा। हालांकि कार्रवाई का तरीका वही पुराना रहा पहले हटाओ, फिर खामोशी ओढ़ लो। खनन विभाग में यह बदलाव संकेत तो देता है, लेकिन संदेश अधूरा है। क्योंकि अधिकारी हटे हैं, व्यवस्था नहीं।

भ्रष्टाचार की शिकायतों पर सीएमओ की कुर्सी गई

शासन ने लगाई मुहर, डॉ. सुशील कुमार बनियान लखनऊ ट्रांसफर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। आखिरकार शिकायतों का सिलसिला सीएमओ की कुर्सी पर भारी पड़ गया। अयोध्या के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बनियान को उनके पद से हटा दिया गया है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित घोष की संस्तुति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. बनियान को सीएमओ पद से हटाने पर मुहर लगा दी। अब उन्हें संयुक्त निदेशक, महानिदेशालय परिवार कल्याण, लखनऊ में तैनात किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई लंबे समय से चल रही शिकायतों और प्रशासनिक रिपोर्ट के बाद की गई। जिलाधिकारी अयोध्या निखिल टीकाराम फुंडे ने बीते 1 जनवरी को शासन को भेजे पत्र में स्पष्ट किया था कि आम जनमानस,जनप्रतिनिधियों और इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों के माध्यम से सीएमओ की कार्यशैली को लेकर लगातार गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। यही नहीं, स्थानीय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की शाखा ने भी डॉ. बनियान की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया था। मामला यहीं नहीं रुका। प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भी सीएमओ के खिलाफ शिकायत की थी। इससे पहले रुदौली विधायक रामचंद्र यादव द्वारा भी डॉ. बनियान की कार्यशैली और कथित भ्रष्टाचार को लेकर कई बार शासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया था।

अयोध्या जनपद में शिकायतों का सिलसिला बढ़ने के बाद जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने डॉ. सुशील कुमार बनियान के अन्यत्र स्थानांतरण के लिए अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को पत्र भेजा था। इस प्रकरण में अपर मुख्य सचिव स्तर पर मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से पत्राचार किया गया, जिसमें मंडलायुक्त द्वारा शिकायतों की पुष्टि की गई।

अमेरिका-ईरान आमने-सामने

सड़क से संयुक्त राष्ट्र तक बढ़ा टकराव

युद्ध की आहट या कूटनीति की आखिरी कोशिश?

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। ईरान में जारी भीषण सरकार-विरोधी प्रदर्शनों, कड़े दमन और अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप के बीच अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को लेकर उसके सामने "सभी विकल्प खुले हैं"। वहीं ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर आंतरिक अस्थिरता भड़काने का आरोप लगाते हुए किसी भी हस्तक्षेप को सीधे युद्ध की कार्रवाई करार दिया है।

हालात ऐसे समय में बिगड़े हैं जब मध्य पूर्व पहले से ही अस्थिर है और वैश्विक अर्थव्यवस्था, खासकर तेल बाज़ार, इस टकराव की आंच महसूस करने लगा है।

इस समय ईरान में आंतरिक उथल-पुथल मची हुई है। आर्थिक बदहाली, महंगाई और बेरोज़गारी के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अब राजनीतिक विद्रोह का रूप ले चुके हैं। कई शहरों में हिंसक झड़पें, सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों गिरफ्तारियों की खबरें आ रही हैं। सरकार ने इंटरनेट सेवाओं पर कड़ा नियंत्रण और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने टीवी संबोधन में अमेरिका और इज़राइल पर विरोध प्रदर्शनों को हवा देने का आरोप लगाया। चेतावनी दी कि ईरान की संप्रभुता पर हमला "पूरे राष्ट्र के खिलाफ युद्ध" माना जाएगा।

- ईरान में सरकार-विरोधी प्रदर्शनों ने पकड़ा उग्र रूप, अमेरिका ने दी कड़ी चेतावनी "हर विकल्प खुला"
- खाड़ी देशों की सक्रिय मध्यस्थता, वैश्विक तेल बाज़ार सतर्क

अमेरिका की रणनीति दबाव और चेतावनी

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मानवाधिकार उल्लंघन और दमन पर कड़ी आपत्ति जताई। वॉशिंगटन का बयान कूटनीति, प्रतिबंध और सैन्य विकल्प तक। के संकेत दे रहा है। मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों और नौसैनिक तैनाती को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई। यह भी संकेत हैं कि अमेरिकी प्रशासन की तत्काल युद्ध की मंशा नहीं, लेकिन किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है। विमानवाहक पोत और अतिरिक्त सैन्य संसाधनों की संभावित तैनाती पर विचार चल रहा है। हालांकि सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देश अमेरिका-ईरान टकराव टालने के लिए बैक-चैनल डिप्लोमेसी में जुटे हैं।

- क्षेत्रीय युद्ध से पूरे मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलने की आशंका।
- हॉर्मुज़ जलडमरू मध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका से कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता।
- निवेशक और वैश्विक बाज़ार हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए।
- भारत ने ईरान में रह रहे नागरिकों के लिए नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की।
- विदेश मंत्रालय स्तर पर संपर्क बनाए रखते हुए चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक हितों पर नजर।

अगर बातचीत सफल न हुई तो...

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान फिलहाल सीधे युद्ध से बचते हुए दबाव की राजनीति खेल रहे हैं। हालांकि ईरान की आंतरिक अस्थिरता, सैन्य बयानबाज़ी और क्षेत्रीय तनाव किसी भी छोटी घटना को बड़े संघर्ष में बदल सकते हैं। निष्कर्ष यह है कि अमेरिका-ईरान टकराव एक बार फिर ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहां कूटनीति और टकराव के बीच फासला बेहद कम रह गया है। अगर बातचीत सफल नहीं हुई, तो इसका असर केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तेल, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा पड़ेगा।

वायरल आपत्तिजनक वीडियो के बाद कर्नाटक के डीजीपी सस्पेंड, बेटी पहले से जेल में

○ ऑफिस में कथित अशोभनीय हरकतों का वीडियो वायरल ○ सरकार ने कहा सरकारी सेवक के लिए अनुचित आचरण

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस की साख को गहरा झटका देते हुए राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और डीजीपी के. रामचंद्र राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उस समय की गई जब सोशल मीडिया पर एक कथित आपत्तिजनक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें रामचंद्र राव को अपने सरकारी कार्यालय के भीतर महिलाओं के साथ अशोभनीय स्थिति में दिखाए जाने का दावा किया गया है। वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला ऑल इंडिया सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स, 1968 के उल्लंघन का प्रतीत होता है, जो किसी भी सरकारी सेवक से मर्यादित आचरण की अपेक्षा करता है। इसी आधार पर जांच पूरी होने तक डीजीपी को सस्पेंड करने का निर्णय लिया गया। इस बाबत मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि ÷कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। पद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि आचरण सरकारी सेवा के अनुरूप नहीं है तो कार्रवाई तय है।÷ सरकार ने स्पष्ट किया कि वीडियो की फॉरेंसिक और विभागीय जांच कराई जाएगी और दोष सिद्ध होने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निलंबन के बाद रामचंद्र राव ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वायरल वीडियो फर्जी, मॉर्फ़ या एआई-जनरेटेड हो सकता है। उनका दावा है कि यह एक साजिश है, जिसका उद्देश्य उनकी छवि और करियर को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो पुराना या छेड़छाड़ किया हुआ हो सकता है और वे इसे अदालत में चुनौती देंगे।

क्या है पूरा मामला

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो करीब 45-50 सेकंड का बताया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो डीजीपी के कार्यालय परिसर का है, जहां वे वर्दी में मौजूद हैं और एक महिला के साथ आपत्तिजनक अवस्था में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के सामने आते ही विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला, जबकि आम जनता के बीच भी पुलिस तंत्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठने लगे।

पहले से विवादों में रहा है परिवार

यह मामला इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है क्योंकि रामचंद्र राव की सौतेली बेटी, कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव, पहले से ही सोना तस्करी के एक बड़े मामले में जेल में बंद है। रान्या राव को प्रवर्तन एजेंसियों ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर करोड़ों रुपये मूल्य का सोना तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उस मामले में भी रामचंद्र राव पर नैतिक दबाव और सवाल उठे थे, हालांकि उन्होंने तब भी किसी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया था।

प्रशासन और राजनीति पर असर

डीजीपी जैसे संवैधानिक और जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी के खिलाफ इस तरह का मामला सामने आने से कर्नाटक पुलिस की छवि, प्रशासनिक नैतिकता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्ष ने मांग की है कि मामले की न्यायिक जांच कराई जाए। यदि वीडियो असली पाया जाए तो सेवा से बर्खास्तगी तक की कार्रवाई हो। फिलहाल डीजीपी रामचंद्र राव निलंबित हैं और जांच जारी है। एक ओर सरकार जीरो टॉलरेंस की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर आरोपी अधिकारी वीडियो को झूठा और साजिशन बता रहे हैं। जांच के नतीजे ही तय करेंगे कि यह मामला नैतिक पतन का प्रमाण है या तकनीक के जरिए रची गई साजिश, लेकिन इतना तय है कि इस प्रकरण ने कर्नाटक प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया है।